जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 138 प्रभात जालोर, सोमवार 25 अगस्त, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'देश के किसानों व छोटे-छोटे उत्पादकों के हित के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे'

भारत सरकार ने अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता में अपना रूख थोड़ा और कड़ा किया

- डॉ सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 24 अगस्त। अमेरिका के प्रति अब तक नरम और झुकने की भारत की विदेश नीति के रुख में सख्ती के संकेत देते हुए, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आज अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए "अनुचित और अन्यायपूर्ण" टैरिफ की तीखी आलोचना की। यह बयान उस समय आया है जब ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर दंडस्वरूप शुल्क 50 प्रतिशत से अधिक कर दिया है।

अमेरिकी प्रशासन के साथ अब तक समझौतावादी रुख अपनाने के बजाय, जयशंकर ने कहा कि वॉशिंगटन के साथ व्यापार वार्ता जारी है, लेकिन कुछ सीमाएं हैं जिन्हें नई दिल्ली को बनाए रखना और बचाना होगा। यह बयान तब आया है जब अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी अतिरिक्त शुल्क कुछ ही दिनों में लागू होने वाले हैं।

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ अब 50 तक पहुंच चुके हैं - जो कि वॉशिंगटन द्वारा लगाए गए सबसे ऊंचे शुल्कों में से एक है, 25 प्रतिशत शुल्क पहले ही लागू हो चुका है, और शेष 25 प्रतिशत 27 अगस्त से लागू होने वाला है।

- पर फिर भी इस संदर्भ में वार्ता जारी रखने का संकेत भी दिया, क्योंकि विदेश मंत्री एस.जयशंकर के अनुसार, हम दो बड़े देश हैं अतः वार्तालाप जारी रखना जरूरी है, और वार्ता की लाइन नहीं काटनी चाहिए।
- हालांकि, दूसरी ओर अमेरिका से अगस्त के तीसरे सप्ताह में भारत आने वाली अमेरिकी टीम की यात्रा अमेरिका ने स्थगित कर दी है, तथा भारत पर लगाई गई भारी टैरिफ बातचीत से कम होने की सम्भावना खत्म हो गई है, क्योंकि नई टैरिफ 27 अगस्त से लागू होने की घोषणा पहले ही हो चुकी है।
- भारी टैरिफ के कारण भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ 0.8 प्रतिशत तो घटेगी ही, साथ में भारत के, विश्व में "मैन्युफैक्चरिंग हब" (औद्योगिक उत्पादन का केन्द्र) बनने के सपने की हवा निकल सकती है।

25 से 29 अगस्त तक प्रस्तावित, अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधियों की भारत यात्रा को रद्द कर दिया गया है, जिससे यह उम्मीद टूट गई है कि शुल्कों को कम या स्थगित किया जा सकता है।

जयशंकर ने नई दिल्ली में आयोजित 'इकोनॉमिक टाइम्स फोरम' में कहा, हमारी कुछ सीमाएं हैं जिन्हें बनाए रखना और बचाना जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों का उल्लेख किया।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता इस साल की शुरुआत में टूट गई थी, क्योंकि भारत ने अपने विशाल कृषि और डेयरी क्षेत्रों को खोलने से इनकार कर दिया था। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 190 बिलियन से अधिक का है।

जयशंकर ने कहा, अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय लेना हमारा अधिकार है।

कैपिटल इकोनॉमिक्स के विश्लेषकों ने शुक्रवार को कहा कि यदि अमेरिका के सभी शुल्क लागू होते हैं और बने रहते हैं, तो इससे भारत की आर्थिक वृद्धि दर में इस वर्ष और अगले वर्ष दोनों में 0.8 प्रतिशत अंक की गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा, दीर्घकाल में यह नुकसान और भी बड़ा हो सकता है, क्योंकि उच्च शुल्क के कारण, ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग हब होने का भारत का आकर्षण खत्म हो सकता है। जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप की नीतियों को "असामान्य" बताया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ड्रग का इंजेक्शन देकर युवक की हत्या

जयपुर, 24 अगस्त। सांगानेर सदर थाना इलाके में ड्रग का इंजेक्शन देकर एक युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। शातिर बदमाश ने मृतक के मोबाइल पर कॉल कर पुरानी रंजिश खत्म करने का झांसा देकर बुलाया और उसे मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत वे कोर्ट के आदेश पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

- पुरानी रंजिश खत्म करने के लिए मृतक को मोबाइल पर कॉल करके बुलाया था।

पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर द्वारकापुरी निवासी ज्योति सिंह (25) का आरोप है कि उसका पति हिम्मत सिंह (27) मजदूरी करता था, बलवीर मीणा और रविंद्र से उसके पति हिम्मत का काफी समय से झगडा चल रहा था। 26 जून को सुबह आठ बजे आरोपी रविंद्र ने हिम्मत सिंह को कॉल कर पुरानी रंजिश खत्म करने का झांसा देकर बुलाया। काफी देर तक जब हिम्मत घर नहीं लौटा तो उसके मोबाइल पर कॉल किया। लेकिन हिम्मत सिंह ने फोन नहीं उठाया। 27 जून को सुबह बलवीर के भाई ने कॉल कर हिम्मत के चोट लगने की बात कही और खुद को सांगानेर सदर थाने में बताया। पीड़िता थाने में पहुंची तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिहार में हटाये गये 65 लाख नामों में एक भी भाजपा नहीं'

राहुल गांधी ने अररिया में चुनाव आयोग और भाजपा की मिलीभगत का आरोप लगाया

अररिया, 24 अगस्त । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद हटा दिए गए 65 लाख मतदाताओं में एक भी नाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोगों का नहीं है, जो चुनाव आयोग और उनकी मिलीभगत को बताता है।

गांधी ने रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों के नाम कटे हैं, उसकी वजह से ज्यादातर राजनीतिक पार्टियां चुनाव आयोग से सवाल पूछ रही हैं। उन्होंने कहा कि बस भाजपा एक अकेली पार्टी है जिसका कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं हुआ और उन्होंने चुनाव आयोग के पास कोई शिकायत दर्ज नहीं की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसे मिलीभगत नही कहेंगे तो क्या कहेंगे?

राहुल गांधी ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा की अपार सफलता बता रही है कि लोगों में चुनाव आयोग के कार्यकलापों को लेकर रोष है। उन्होंने कहा कि बिहार के कोने कोने में उमड़ रही भीड़ स्वत: स्फूर्त है और प्रायोजित नहीं है। लोग खुद चल कर आ रहे हैं और लोकतंत्र बचाओ अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।

- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा की अपार सफलता बताती है कि लोगों के बीच चुनाव आयोग के कार्यकलापों को लेकर रोष है।

गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी से सम्बंधित सवालों का जवाब चुनाव आयोग ने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से सवाल पूछना भी गुनाह है और उसी सवाल पर पक्ष और विपक्ष के लिए आयोग का रवैया अलग अलग है। उन्होंने कहा कि जब मैंने वोट चोरी की बात की तब चुनाव आयोग ने एफिडेविट मांगा लेकिन वहीं सवाल भाजपा के नेता अनुराग ठाकुर ने पूछा तो उनसे कुछ भी नही मांगा गया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग के पास हमारे सवालों का कोई जवाब नहीं है और उलटे हमारे उपर भ्रम फैलाने का आरोप लगा दिया जाता हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा में आयी भीड़ बता रही है की हमारे सवाल जनता के सवाल हैं।

गांधी ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात गरीब किसानों से हुई है। ज्यादातर किसान सरकार की अनदेखी से परेशान हैं और भविष्य में अगर उनके गठबंधन की सरकार आई तो किसानों की सुरक्षा के लिए विशेष प्लान बनाया जाएगा और उन्हें कर्ज से मुक्ति दिलाने का प्रयास किया जाएगा। साथ में उनकी फसलों के भंडारण और उचित कीमत पर बिक्री की भी व्यवस्था की जाएगी।

गांधी उस सवाल को टाल गये जिसमें पूछा गया कि तेजस्वी यादव ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पत्नी को जिंदा जलाने वाला पुलिस की गोली से घायल हुआ

कस्टडी से भागने का प्रयास कर रहे विपिन भाटी के पैर में गोली लगी, जिम्स अस्पताल में भर्ती

ग्रेटर नोएडा, 24 अगस्त। कासना कोतवाली क्षेत्र के सिरसा गांव में पत्नी की पेट्रोल डालकर हत्या करने वाले हत्या के आरोपी पति विपिन भाटी ने पुलिस कस्टडी से भागने का प्रयास किया। पुलिस आरोपी को ज्वलनशील पदार्थ की बरामदगी के लिए ले जा रही थी। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने उप निरीक्षक की पिस्तौल निकाल कर भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। मजबूरन पुलिस को गोली चलानी पड़ी। पैर में पुलिस की गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। पुलिस ने उसे जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया है। ज्ञात हो कि बृहस्पतिवार को सिरसा गांव में हत्या के आरोपी पति विपिन ने दहेज में 35 लख रुपए की मांग पूरी न होने पर पेट्रोल डालकर अपनी पत्नी निक्की को जिंदा जला दिया था।

सिरसा गांव में महिला निक्की की जलकर हुई दर्दनाक मौत के मामले में निक्की के पांच वर्षीय बेटे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में बच्चा मां के साथ पिता द्वारा की गई मारपीट व बर्बरता की कहानी बयां करता नजर आ रहा है। बच्चा बताता है कि मां के साथ पहले उसके पिता ने मारपीट की। फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। बेटी के साथ हुई बर्बारता व दर्दनाक घटना के बाद रूपबास गांव में मातम पसरा है। पीड़िता के स्वजनों का आरोप है कि विपिन शराब का आदि था। जिसके बाद से ही घर में झगड़े बढ़ गए थे। वह कुछ करता भी नहीं था।

- सिरसा गांव में आरोपी विपिन ने, दहेज में 35 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर पैट्रोल डाल कर अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया था।

पीड़िता के पिता ने कहा, "मेरी बड़ी बेटी ने मुझे कॉल कर मामले की जानकारी दी। हम लोग आनन-फानन में अस्पताल पहुंचे। ये लोग उसे आग के हवाले कर भाग गए थे। पड़ोसी उसे फोर्टिस अस्पताल ले गए। जब हम पहुंचे, तो वह 70 प्रतिशत जल चुकी थी। डॉक्टरों ने बेटी को सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। हम एंबुलेंस बुक करके उसे सफदरजंग अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।"

पिता ने आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए कहा कि उसकी (बेटी) सास ने उस पर मिट्टी का तेल डाला और उसके पति ने उसे आग लगा दी। अब जब मेरी बेटी मर चुकी है, तो उनकी दहेज की मांगें पूरी हो गई हैं। उन्होंने गाड़ी की डिमांड कर मेरी बेटी को प्रताड़ित किया। मेरी दोनों बेटियों की शादी एक ही परिवार में हुई थी। मेरे पोते ने भी सबको बताया है कि कैसे और क्या हुआ?"

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में पड़ोसी युवक गिरफ्तार

जयपुर, 24 अगस्त। बिंदायका थाना इलाके में एक शातिर बदमाश ने 12 वर्षीय नाबालिग को काम के बहाने घर पर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। तबियत खराब होने पर बच्ची ने मामले की जानकारी अपनी माँ को दी। जिसके बाद बच्ची को हॉस्पिटल में भर्ती कराया। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने पर्चा बयानों के आधार पर पडोसी युवक के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया।

- माता-पिता के जाने के बाद 12 वर्षीय बालिका को पड़ोसी युवक ने काम के बहाने घर बुला कर दुष्कर्म किया।

एडिशनल डीसीपी सुलेश चौधरी ने बताया कि 12 वर्षीय नाबालिग छठी क्लास की छात्रा है । 20 अगस्त को माता -पिता के घर से जाने के बाद आरोपी ने उसे अकेलापाकर काम के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चन्द्रबाबू नायडू पर ओबेरॉय होटल को 1500 करोड़ की तिरूपति की भूमि देने का आरोप

तिरूपति मंदिर के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि शहरी क्षेत्र की बेशकीमती भूमि को ग्रामीण इलाके की भूमि से बदला जा रहा है

तिरुपति, 24 अगस्त। वाय.एस. आर. सी.पी. के वरिष्ठ नेता और तिरूमला तिरूपति देवस्थानम (टी.टी.डी.) के पूर्व अध्यक्ष भुमना करुणाकर रेड्डी ने रविवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने ज़मीन की अदला-बदली की आड़ में तिरूपति मंदिर (टीटीडी) की बेहद कीमती संपत्ति ओबेरॉय होटल्स को सौंपने की "साजिश" रची है।

तिरुपति स्थित अपने आवास पर मीडिया को संबोधित करते हुए रेड्डी ने खुलासा किया कि तिरुपति शहरी क्षेत्र में लगभग 1,500 करोड़ रुपये मूल्य की टीटीडी की 20 एकड़ बेशकीमती ज़मीन को ग्रामीण इलाकों में स्थित पर्यटन विभाग की कम कीमत वाली ज़मीन से बदला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इससे टीटीडी को 1,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि 7 मई को टीटीडी की एक विशेष बैठक भूमि विनिमय के एकमात्र एजेंडे के साथ बुलाई गई थी और एक महीने के भीतर, 7 अगस्त को सरकार ने सौदे को मंजूरी देते हुए एक सरकारी आदेश जारी कर दिया।

- आरोप लगाया गया है कि इससे तिरूपति मंदिर को 1000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

उन्होंने कड़ी आलोचना करते हुए कहा "एजेंडा पत्रों में जानबूझकर भूमि मूल्यांकन का उल्लेख नहीं किया गया और यहां तक कि टीटीडी संपत्ति को भक्तों द्वारा मंदिर को दान की गई इनाम भूमि के रूप में संदर्भित किया गया जिससे यह साजिश और भी संदिग्ध हो गई।

उन्होंने कहा, "सरकार का असली इरादा यह जगह ओबेरॉय होटल्स को सौंपना है, जिससे वे पवित्र तिरुमाला पहाड़ियों के और भी करीब एक आलीशान होटल बना सकें, जो पहले प्रस्तावित जगह से भी ज़्यादा नज़दीक है, जिसका चंद्रबाबू नायडू ने खुद कभी विरोध किया था। वही चंद्रबाबू नायडू, जिन्होंने कभी ओबेरॉय को अस्वीकार कर दिया था, अब उन्हें भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के द्वार पर एक प्रमुख स्थान दे रहे हैं। यह विकास नहीं, दिनदहाड़े लूट है।"

टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष ने आगे पूछा कि जब सरकार के पास रेनीगुंटा, हवाई अड्डे के पास और ग्रामीण तिरुपति में सार्वजनिक भूमि के विशाल क्षेत्र उपलब्ध हैं, तो उसने मंदिरों की भूमि का विनिमय क्यों किया? उन्होंने कहा, "केवल भगवान की अमूल्य भूमि को ही क्यों निशाना बनाया जाए? इससे साबित होता है कि यह लूट का एक पूर्व-नियोजित कृत्य है।"

चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री के. पवन कल्याण और टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायडू को सीधे तौर पर ज़िम्मेदार ठहराते हुए रेड्डी ने सरकारी आदेश को तुरंत वापस लेने की मांग की और दुनिया भर के भक्तों से इस विश्वासघात का विरोध करने का आग्रह किया।

रेड्डी ने कहा " यह सिर्फ भूमि के बारे में नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर में वेंकटेश्वर स्वामी के भक्तों की आस्था, विश्वास और गरिमा का सवाल है।"

बिहार में 98.2 प्रतिशत मतदाताओं के दस्तावेज प्राप्त हुए

नयी दिल्ली, 24 अगस्त। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत नयी मतदाता सूची के मसौदे को लेकर इस समय चल रहे दावे और आपत्तियों के दौर में कुल 98.2 प्रतिशत मतदाताओं के दस्तावेज प्राप्त हो चुके है। यह जानकारी चुनाव आयोग की रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है।

दावे और आपत्तियां दाखिल कराने के लिए अभी आठ दिन बाकी हैं।

- चुनाव आयोग ने रविवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। अभी दावे, आपत्तियां दाखिल करने के लिए आठ दिन बाकी हैं।

आयोग ने कहा है, ' बिहार का एसआईआर कार्यक्रम निर्धारित समय के अनुसार चल रहा है। प्राप्त सभी दस्तावेजों और आपत्तियों पर निर्णय और पात्रता दस्तावेजों का सत्यापन 25 सितंबर, 2025 तक पूरा किया जाना है और अंतिम जांच के बाद, अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर 2025 को प्रकाशित की जाएगी।

दावे और आपत्ति का समय सूची के मसौदे में किसी भी त्रुटि में सुधार कराने का अवसर प्रदान करता है। इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगलादेश पुलिस का पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

कोलकाता, 24 अगस्त। पश्चिम बंगाल में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने उत्तर 24 परगना में भारतीय क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में बंगलादेश के एक पूर्व पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार किया है।

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ ने शनिवार शाम बंगलादेश के मेमन सिंह जिले के मुक्तागाछा में सशस्त्र बलों की दूसरी बटालियन के पूर्व एएसपी अफरुज्जमां को उत्तर 24 परगना के स्वरूपनगर में हकीमपुर सीमा पार करते समय हिरासत में लिया।

- सीमा सुरक्षा बल ने भारतीय सीमा में अवैध रूप से प्रवेश करते हुए पकड़ा।

इसके बाद बीएसएफ ने उसे पश्चिम बंगाल पुलिस को सौंप दिया। पुलिस उसे आज बशीरहाट महाकुमा अदालत में पेश करेगी। शेख हसीना के शासनकाल के दौरान अफरुज्जमां बंगलादेश पुलिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बहुत जल्दी रिफायनरी के संदर्भ में खुशखबरी मिलेगी'

पचपदरा में रिफायनरी का निरीक्षण करते समय मुख्यमंत्री भजन लाल ने यह टिप्पणी की

बालोतरा, (निसं), 24 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को बालोतरा जिले के पचपदरा रिफाइनरी क्षेत्र का दौरा किया और कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली बार मैं जनवरी के महीने में आया था, तब से बहुत काम हुआ है। मैं लगातार केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के संपर्क में हूं। आने वाले समय में बहुत जल्दी आपको खुशखबरी मिलेंगी। रिफाइनरी से पूरे क्षेत्र का विकास होगा। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए यहां पौधारोपण भी किया जाएगा।

भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लि. (एचआरआरएल) परिसर में क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) व डिलेयड कोकिंग यूनिट (डीसीयू) का सघन निरीक्षण किया एवं कर्मचारियों से मुलाकात की।

- केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह ने मुख्यमंत्री के साथ आर एम सी आर परिसर में ऑपरेटर प्रशिक्षण सिम्युलेटर का शुभारम्भ किया तथा पौधारोपण किया।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री व केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने आरएमसीआर परिसर में ऑपरेटर प्रशिक्षण सिम्युलेटर का शुभारंभ किया। शर्मा ने सीडीयू, वीडीयू एवं डीसीयू यूनिट के कंट्रोल पैनल के माध्यम से पम्पिंग सिस्टम की शुरूआत की तथा इस प्रकिया की जानकारी ली।

केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने आरएमसीआर में परियोजना समीक्षा बैठक भी ली। बैठक में एचपीसीएल अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से रिफाइनरी की वर्तमान स्थिति, ओवरव्यू, उत्पाद व निकासी योजना एवं सभी महत्वपूर्ण रिफाइनरी इकाइयों की उपयोगिता एवं सम्पूर्ण उत्पादकता से संबंधित जानकारी दी। हरदीप सिंह पुरी ने बैठक में रिफाइनरी अधिकारियों को कौशल विकास पहल की आगामी 15 दिनों में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रिफाइनरी की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि रिफाइनरी के कार्यों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को बालोतरा जिले के पचपदरा रिफाइनरी क्षेत्र का दौरा किया और कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया।